

प्रेषक,

जी० बी० ओली,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
मत्स्य विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-03 (मत्स्य)

देहरादून: दिनांक 4 दिसम्बर, 2015

विषय- मत्स्य प्रशिक्षण एवं प्रसार (80% केन्द्रांश) योजनान्तर्गत अवशेष कार्यों को पूर्ण कराये जाने हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र सं०-1263/मत्स्य प्र०प्रसार/2015-16, दिनांक 03 दिसम्बर, 2015 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मत्स्य विभाग की "मत्स्य प्रशिक्षण एवं प्रसार (80% केन्द्रांश)" योजनान्तर्गत अवशेष कार्यों को पूर्ण किये जाने हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में मूल आय-व्ययक में प्राविधानित ₹ 5.00 लाख व प्रथम अनुपूरक में प्राविधानित ₹ 10.00 लाख इस प्रकार कुल प्राविधानित धनराशि ₹ 15.00 लाख के सापेक्ष धनराशि ₹ 15.00 लाख (₹ पन्द्रह लाख मात्र) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आहरण कर व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-400/XXVII(1)/2015, दिनांक 01.04.2015 तथा संख्या-1336/XVII(1)/2015, दिनांक 17.11.2015 में दिये गये दिशा-निर्देशों एवं प्रतिबन्धों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।
2. धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाए।
3. स्वीकृत धनराशि का उपयोग शासन द्वारा समय-समय पर जारी मितव्ययता संबंधी आदेशों व वित्तीय हस्तपुस्तिका में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत किया जायेगा।
4. बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक प्रतिमाह की 5 तारीख तक बी०एम०-08 प्रपत्र पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना शासन को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जायेगी।
5. इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों एवं क्रय संबंधी शासनादेशों का पालन किया जायेगा। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।
6. वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश दिनांक 04 जून, 2015 के अनुसार अग्रेत्तर कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।
7. जो बिल कोषागार को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जायें, उनमें स्पष्टरूप से लेखाशीर्षक के साथ सम्बन्धित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्यमेव किया जायेगा।
8. अवमुक्त की जा रही धनराशि का दिनांक 31-03-2016 तक उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण, भौतिक एवं वित्तीय प्रगति शासन को उपलब्ध कराई जायेगी।

क्रमशः.....2

9. किसी भी क्रय/विक्रय हेतु प्रोक्योरमेन्ट रूल्स 2008, (समय-समय पर यथा संशोधित) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-01, (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-05 भाग (लेखा नियम), आय-व्ययक संबंधी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय साथ ही मितव्ययता संबंधी आदेशों, डी0जी0एस0एन0डी0 की दरें, टेण्डर/कोटेशन विषयक नियमों के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के दिशा-निर्देशों का भी पूर्णतः अनुपालन किया जाये।

10. योजना के सम्बन्ध में **उपयोगिता प्रमाण पत्र फोटोग्राफ** सहित शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

2- उक्त पर होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-15 में अनुदान संख्या-28 में लेखाशीर्षक-4405-मछली पालन पर पूंजीगत परिव्यय-00-आयोजनागत-101-अन्तर्देशीय मछली पालन-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनायें-0101-मत्स्य प्रशिक्षण एवं प्रसार योजनान्तर्गत-24 वृहत निर्माण मद के नामें डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग शासनादेश संख्या-1336/XVII-(1)/2015, दिनांक 17 नवम्बर, 2015 द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(जी0 बी0 ओली)

अपर सचिव

संख्या- 7 ()/XV-3/2015-03(93)/2003(बजट), तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड़, देहरादून, उत्तराखण्ड।
2. मण्डलायुक्त, कुमाऊँ/गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
3. कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. निजी सचिव, मा0 मंत्री, मत्स्य को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ प्रेषित।
5. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
6. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. निदेशक, बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(महावीर सिंह चौहान)

उप सचिव